B- 3/4
L- 19
Ethics

(समानुभूति)

समानुभूति की अवधारणा समावेशी विकास संवेगात्मक बुद्धि का विकास, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों के उत्थान तथा बंधुत्व की भावना को साकारित करने में सहायक है जैसे :-

— राजस्थान सरकार ने पिछले वर्षों में प्रशासन गांव की ओर योजना की शुरूआत की। राज्य सरकार के द्वारा न्याय आप के द्वार योजना। इस क्रम में प्रशासनिक अधिकारी गांव का दौरा करते हैं और वहाँ कैम्प लगाते हैं इससे गांव की स्थिति, ग्रामीण जनता की समस्या और उसकी गहनता को समझने में आसानी हो जाती है।

गाँधी सत्याग्रह — - चम्पारण
- खेड़ा
- अहमदाबाद

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

सहिष्णुता (Tolerance) :-

सहिष्णुता अपने से भिन्न, विचार, मत, कार्यपद्धति जीवन शैली, परंपरा, आचरण धर्म आदि

सहिष्णुता

संकीर्ण अर्थ → सहन करना

व्यापक अर्थ → आदर, सम्मान, सहयोग, संवाद

सहअस्तित्व का भाव,
सामंजस्य, संवाद करना,
अपने भिन्न मत, विचार, भाषा,
कार्य पद्धति एवं व्यवहार का
भी आदर और सम्मान
सहअस्तित्व एवं सामंजस्य का
भाव तथा उनके साथ
समायोजन ही सहिष्णुता है।

- सहिष्णुता का एक प्रमुख रूप धार्मिक सहिष्णुता है विशेष रूप से भारत जैसे देश में जहाँ धर्मों की बहुलता वहाँ धार्मिक सहिष्णुता का होना आवश्यक है। समाज में बढ़ती साम्प्रदायिकता, कट्टरता, वैमनस्यता, अंधविश्वास और असहनशीलता को दूर करने में यह आवश्यक है।

धार्मिक सहिष्णुता का आशय है अपने धर्म की मान्यताओं को स्वीकार करते हुए भी दूसरे धर्म के प्रति वैमनस्य और असहनशीलता का भाव न हो। बल्कि उनकी महत्ता, गरिमा और अस्तित्व के प्रति सम्मान का भाव हो। सहअस्तित्व का भाव हो।

अपने धर्म के विचार और मान्यताओं को दूसरे के ऊपर बल पूर्वक लागू न करें।

- प्रशासनिक संबंध में ऐसा कहा जा सकता है कि प्रशासनिक अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर चाहे किसी भी धर्म का अनुसरण करे

उसे प्रशासनिक क्रियाकलापों के संपादन के क्रम में धार्मिक रूप से सहिष्णु होकर कार्य करना चाहिए। उसे अपने धर्म से भिन्न लोगों की भी रक्षा व सम्मान करना चाहिए तथा उनके लिए बनी नीतियों एवं योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना चाहिए।

वर्तमान समय में बार-बार भीड़ द्वारा हिंसा की घटनाएं सामने आ रही है छोटे-छोटे विवादों पर भी साम्प्रदायिक हिंसा की घटनायें बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में सहिष्णुता के विचार को जनमानस में प्रसारित एवं प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है।

सहिष्णुता के फायदे :-

- सहिष्णुता की अवधारणा समाज में शान्ति व्यवस्था, सहयोग एवं सामंजस्य को बढ़ाने में सहायक है।
- यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाए रखने में सहायक है।
- भारत जैसे बहुधर्मी, बहुजातीय, बहुभाषीय समाज में विभिन्न रीति-रिवाजों एवं पर्वों के शान्तिपूर्ण आयोजन में सहायक है।
- सहिष्णुता की अवधारणा प्रशासनिक अधिकारियों में भेद-भाव रहितता को बढ़ावा देती है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

करुणा (compassion) :-

- करुणा मनुष्य के संवेगात्मक पक्ष से संबंधित ऐसा भाव/गुण है जिसमें प्राणी मात्र के प्रति मंगल की कामना निहित होती है। यह व्यक्ति के अंतःकरण से संबंधित ऐसा गुण है जिसके कारण वह दुखी एवं समस्याग्रस्त लोगों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर/सक्रिय रहता है।

बौद्ध दर्शन के महायान शाखा के नैतिक आदर्श बोधिसत्व माने जाते हैं। जिन्हे करुणा के महासागर के रूप में जाना जाता है।

करुणा से युक्त व्यक्ति स्वयं के "सुख को स्थगित कर दूसरों के दुःखों को दूर करने में संलग्न हो जाता है और इसे वह अपना कर्तव्य मानता है।

करुणा में सार्वभौमिकता का तत्व होता है इसमें सबके हित की कामना होती है।

यदि प्रशासनिक अधिकारी में करुणा का भाव है तो वह बिना किसी भेदभाव के लोगों के समस्याओं के प्रति संवेदनशील होगा तथा उसे दूर करने के लिए स्वयं को अभिप्रेरित करेगा। ऐसा होने पर सामाजिक और आर्थिक न्याय होगा।

और समावेशी विकास की भावना / अवधारणा साकारित होगी।

ऐसा करने पर विवेकानंद के दरिद्र नारायण (दरिद्र की सेवा नारायण की सेवा) और गांधी जी के अन्त्योदय (समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उदय) की भावना साकारित होगी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संवेग :-

→ संवेग का शाब्दिक अर्थ है गतिशील या उत्तेजित करना।

- संवेग मनुष्य को शारीरिक या मानसिक रूप से गतिशील करता है उसके व्यवहार में सक्रियता लाता है।

जैसे- भय, क्रोध, खुशी, घृणा, उदासीन, निराशा लज्जा इत्यादि।

बुद्धि :-

बुद्धि मनुष्य की ऐसी विवेकपूर्ण क्षमता है जिसका आशय सीखने, उद्देश्यपूर्ण ढंग से कार्य करने, तर्कपूर्ण ढंग से सोचने, अमूर्त चिंतन करने, अपने परिवेश को समझने उचित, अनुचित का निर्धारण करने आदि से है।

संवेगात्मक बुद्धि क्या है :

→ → ↓

मनुष्य की ऐसी क्षमता है जिससे वह

↓

अपने और दूसरे के संवेगों को

↓

- देखता है
- समझता है
- तीव्रता और प्रभाव का आकलन करता है।
- संवेगों को प्रबंधित करता है।

→

वांछित अनुक्रिया करता है
ताकि बेहतर लक्षित परिणाम
लाया जा सके।

↓

शारीरिक स्वभाव को

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR